

The Listing Department,
BSE Limited,
Phiroje Jeejeebhoy Towers,
25th Floor, Dalal Street,
Mumbai – 400001

BSE SCRIP Code: 500112

The Listing Department,
National Stock Exchange of India Limited,
Exchange Plaza, 5th Floor, C / 1, 'G'
Block, Bandra Kurla Complex, Bandra
(East), Mumbai – 400051

NSE SCRIP Code: SBIN

CC/S&B/AND/2024-25/219

26.06.2024

Madam / Sir,

**Disclosure under Regulation 47 of SEBI (LODR) Regulations, 2015:
Newspaper Advertisement**

Pursuant to Regulation 47 and other applicable provisions of SEBI (LODR) Regulations, 2015, we submit the copy of newspaper advertisement published on 26.06.2024 in Free Press Journal (English), Business Standard (Hindi), Navshakti (Marathi) containing the notice issued for attention of the shareholders of the Bank.

Please take the above information on record.

Yours faithfully,

(Aruna N Dak)
DGM (Compliance & Company Secretary)

Encl: A/a

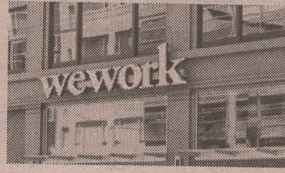


बाजार पर नहीं पड़ेगा असर!

राघव अग्रवाल
नई दिल्ली, 25 जून

वीवर्क के अपनी भारत इकाई से बाहर निकलने से देश के को-वर्किंग रियल एस्टेट बाजार पर असर पड़ने के आसार नहीं है। उद्योग के अधिकारियों ने यह अनुमान जताया है। कंपनी को पिछले सप्ताह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से भारत की इकाई में अपनी पूरी 27.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रियल ट्रस्टी एडवाइजरी कंपनी को बेचने की मंजूरी मिली है।

वीवर्क इंडिया में बहुलांश हिस्सेदारी (72.5 प्रतिशत) बेंगलूरु के एम्बेसी ग्रुप के पास है। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि भारत में को-वर्किंग स्पेस की काफी मांग है और निवेशक इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए उत्सुक हैं, खास तौर पर भारत में। हाल की एक रिपोर्ट में निजी इक्विटी सलाहकार कंपनी एवेंडस ने कहा कि भारत का लचीला



(फ्लेक्स) कार्यस्थल बाजार साल 2028 तक 12.6 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंचने का अनुमान है, जो साल 2023 के 6.1 करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा है। इसके अलावा को-वर्किंग स्पेस क्षेत्र की कंपनी आफिस स्पेस सॉल्यूशन लिमिटेड के 599 करोड़ रुपये के कामयाब आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ने निवेशकों को इस क्षेत्र के प्रति और अधिक उत्साहित कर दिया है।

को-वर्किंग ऑपरेटर 91स्प्रिंगबोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी समीर सिंह ने कहा, 'यह रफतार न केवल बरकरार है, बल्कि आने वाले वर्षों में और भी तेज होने की उम्मीद है, जो फ्लेक्स उद्योग के उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित

करता है।' एक अन्य को-वर्किंग स्पेस प्रदाता 315वर्क एवेन्यू के संस्थापक मानस मेहरोत्रा ने कहा, 'हमारा मानना है कि इस निकासी का इस क्षेत्र में निवेशकों की धारणा पर कोई अल्पकालिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि हाल के दिनों में को-वर्किंग का संपूर्ण प्रदर्शन जोरदार रूप से स्थिर और सकारात्मक रहा है।'

सिंह ने कहा कि हालांकि यह महत्वपूर्ण फैसला था लेकिन यह भारतीय परिचालन या भारत में लचीले कार्यस्थल बाजार की दिक्कत के बजाय शायद वैश्विक स्तर पर वीवर्क के सामने आने वाली चुनौतियों की झलक थी। मेहरोत्रा ने कहा कि इस निकासी से को-वर्किंग क्षेत्र की और ज्यादा कंपनियों के लिए बाजार में पैर जमाने के वास्ते ज्यादा संभावना बनेगी। एनारॉक के को-वर्किंग अनुभाग माईएचक्यू के वरिष्ठ निदेशक उत्कर्ष कवात्रा ने कहा कि वीवर्क इंडिया स्वतंत्र रूप से काम और विस्तार जारी रखेगी।

को दर से बढ़

भाषा
नई दिल्ली, 25 जून

उपभोग को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने वाली सरकारी पहल के दम पर 2024 में रोजमर्रा के उपभोग के सामान (एफएमसीजी) क्षेत्र की वृद्धि दर सात से नौ प्रतिशत रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

एफएमसीजी क्षेत्र की जुझारू क्षमता व अनुकूलनशीलता मजबूत सरकारी समर्थन तथा डिजिटल बदलाव पहल के साथ मिलकर इसे अनिश्चितताओं से पार पाने और अधिक मजबूत होकर उभरने की अनुकूल स्थिति प्रदान करती है।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इश्योरेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार 'भविष्य की ओर देखें तो भारत में एफएमसीजी क्षेत्र निरंतर वृद्धि के लिए तैयार है। पूर्वानुमानों के अनुसार, 2024 में इसमें सात से नौ प्रतिशत की वृद्धि होगी।' हालांकि, इस क्षेत्र को 'मुद्रास्फीति के दबाव,



भारतीय स्टेट बैंक

कॉरपोरेट सेंटर, स्टेट बैंक भवन, मादाम कामा रोड, मुंबई - 400021
सूचना

शेयरधारकों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है कि एसबीआई के शेयर का अंकित मूल्य रु. 10 से विभक्त करके रु. 1 करने की प्रक्रिया में बैंक द्वारा जारी शेयर प्रमाण-पत्र, जिनका अंकित मूल्य रु. 10 है, दिनांक 22 नवंबर 2014 से प्रभावी होकर अमान्य हो गए हैं। इस संबंध में दिनांक 05.11.2014 को भारत के राजपत्र में एक अधिसूचना प्रकाशित की गई थी। तदनुसार, सभी उद्देश्यों से, इस सूचना में दिए गए शेयरों के विवरण रु. 1 अंकित मूल्य के शेयर प्रमाण-पत्रों के हैं। एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक की निम्न उल्लेखित प्रतिभूतियों के लिए शेयर प्रमाण-पत्र पंजीकृत धारक/धारकों से उक्त शेयर की नियत अवधि में उपयुक्त रूप से पूर्णकृत अंतरण अनुबंध (धों) के साथ/बिना गुम/खो गए हैं और उन्होंने बैंक को उनके नाम से डुप्लिकेट शेयर प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु आवेदन किया है। कोई भी व्यक्ति जिसका उक्त शेयर के संबंध में कोई दावा है, उसे ऐसा कोई भी दावा बैंक के अंतरण अभिकर्ता, मे. एलेंटिकेट असाइनमेंट्स लिमिटेड, 205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालाँ एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110055, (ई-मेल आईडी: sbi.igr@alankit.com) पर इस तिथि से 7 दिनों के भीतर के पास दर्ज करवाना चाहिए, अन्यथा, बैंक द्वारा किसी भी आगामी सूचना के बिना, डुप्लिकेट शेयर प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक

क्र. सं.	फोलियो सं.	धारक(कों) का नाम	शेयरों की संख्या		प्रमाणपत्र संख्या		विशिष्ट संख्या	
			से	तक	से	तक	से	तक
1	01187872	आर शशिकला	500	121903	121903	7407258041	74072585640	
2	03034810	आर शशिकला	1000	210507	210507	7452814881	7452815880	
3	03035078	आर शशिकला	1000	210510	210510	7452816981	7452817980	
4	02242798	उत्पल पी पटेल	670	184487	184488	7439380151	7439380820	
5	00823777	काली कांता मालाकर	630	72294	72295	7390835241	7390835870	

उपरोक्त आंकड़े स्टॉक विभक्ति के परिणामस्वरूप रु. 1/- के अंकित मूल्य के वर्तमान शेयरों के विवरण प्रस्तुत करते हैं (रिकॉर्ड दिनांक 21.11.2014).

स्थान: मुंबई

दिनांक: 26.06.2024

शेयरों की संख्या: 3800

प्रमाण पत्रों की संख्या: 7

महाप्रबंधक

(शेयर एवं बांड)

क्लीनिकल ट्राय

सोहिनी दास
मुंबई, 25 जून

उद्योग के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि भारत में क्लीनिकल परीक्षणों के लिए मंजूरी की समयसीमा वैश्विक महामारी से पहले के दिनों जैसी हो गई है। उनका दावा है कि वैश्विक महामारी के दौरान परीक्षण के लिए मंजूरी की समयसीमा में 30 से 40 प्रतिशत का खासा सुधार हो गया था।

दुनिया के सबसे बड़े क्लीनिकल रिसर्च संगठनों (सीआरओ) में शामिल पैरेक्सेल के प्रबंध निदेशक (भारत) और ग्लोबल एसबीयू प्रमुख (क्लीनिकल लॉजिस्टिक्स और वैश्विक सुरक्षा सेवाएं) संजय व्यास ने बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ बातचीत में कहा कि पिछले 12 महीने में भारतीय नियामक ने लगभग 110 क्लीनिकल परीक्षण के आवेदनों को मंजूरी दी है। पैरेक्सेल दुनिया भर में हो रहे उसके 600 से ज्यादा परीक्षणों में से इस वक्त भारत में 30 क्लीनिकल परीक्षणों पर काम कर रहा है।

उद्योग के अ तौर पर फाम पर विचार क

सीआरओ भ लोगों को रो वैश्विक क प्रतियोगिता व्यास कह के दौरान अ खासी तेजी वास्तविक स निगरानी सहि

मुंबई संस्करण: बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक संगीता खेओरा द्वारा मै. दांगट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, 22, दीघा एमआईडीसी, टीटीसी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु संपादक: कैलाश नौटियाल | आरएनआई नं. MAH/HIN/2008/24325 पाठक संपादक को lettershindi@b सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन

BS-Hindi Mumbai 26/06/2024

